



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Cadaver Organ Donor

Lt. Minakshiben Anilkumar Rana

Donated her : Kidney, Liver & Corneas

Date:- 11/11/2021

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेर के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Surat zari maker's organs add fresh sparkle to many lives

TIMES NEWS NETWORK

Surat: While alive she added sparkle to the celebrations of many through her zari craft. In her death too, Minakshi Rana gave a new lease of life to a few.

The 41-year-old zari unit employee's organs were harvested after she was declared brain-dead on Thursday. Rana succumbed to the head injuries she suffered in a road accident on November 9. Rana along with her husband Anil and son Krishna was going to a temple when their motorcycle met with an accident near Bardoli.

Rana's kidneys, liver and two eyes were harvested by doctors after she was declared brain-dead by the doctors at INS Hospital here. The kidneys and liver were transplanted to patients in Ahmedabad while Rana's eyes were collected by a local eye bank.

"The organs would have turned into ashes if not donated. Hence all our family members agreed on organ donation. A part of my wife



Minakshi Rana (inset) had met with an accident on November 9

will be alive in future too," said Anil, also a zari unit employee.

Donate Life, an NGO working for organ donation awareness, coordinated the donation and also convinced the family. "The family members were kind enough to agree and donate the organs of a young family member who died sudden death due to an unfortunate accident," said Nilesh Mandlewala, president of Donate Life.

The Rana family was travelling to Mahua to visit Vighneshwar Dada temple

on the fateful day. "A woman was driving a moped just ahead of us. She was talking on her mobile phone while driving. Her moped slipped as there was paint spilled on the road in front of a shop on the Surat-Bardoli highway. As our bike was just behind her we too fell on the road," Anil told TOI.

Rana's head banged on the road and she lost consciousness. She was initially admitted to a hospital in Bardoli and later shifted to Surat's INS Hospital as her condition turned critical.



ब्रेन डेड हुई महिला ने अंगों का किया दान, कईयों का महकाया जीवन

वीओटी संवाददाता

सूरत, 11 नवम्बर

अंगदान के लिए अग्रसर सूरत शहर से एक और ब्रेन डेड हुई महिला ने अंगों का दान कर कईयों का जीवन महकाया है। बारडोली हाईवे पर मोपेड पर से नीचे गिर जाने पर ब्रेन डेड हुई राणा समाज की महिला के परिवार ने किडनी, लिवर और आंखों का दान किया था। जिसके कारण 5 व्यक्तियों को नया जीवन प्राप्त हुआ है।

सूरत शहर के नवापुरा गोलवाड तिरंगा एपार्टमेन्ट के निवासी और जरी व्यवसाय से जुड़े अनिल कुमार के परिवार में पल्ली के अतीरिक्त 15 साल की बेटी 10वीं में पढ़ती है और 13 वर्ष का पुत्र 8वीं में पढ़ाई करता है। दोनों पति और पल्ली कुछ दिन पहले अपनी पल्ली मिनाक्षी के साथ मोपेड पर महुवा स्थित विघ्नेश्वरदादा के दर्शन करने के



लिए जा रहे थे। उस दौरान अज्ञात वाहन दुर्घटना होने पर मिनाक्षी को सिर में गंभीर चॉट आने पर उन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती करने के बाद अधिक इलाज के लिए सूरत की नीजी अस्पताल में लाया गया था। जिसमें डॉक्टरों द्वारा की गई जांच पड़ताल में उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया गया था।

यह जानकारी पा कर डोनेट लाईफ संस्था के निलेश

मांडलेवाला और उनकी टीम अस्पताल पहुंची और उन्के समक्षाने पर मिनाक्षी बहन के अंगों का दान करने का निर्णय लिया गया। जिससे किडनी, लिवर और आंखों का दान किया गया। जिसमें लिवर अमदावाद की जायडस अस्पताल में दी गई है। किडनी एचएलए मेचिंग के बाद दी जाएगी। जबकी लिवर महेसाणा के 41 वर्षीय व्यक्ति में प्रत्यारोपण किया गया है।



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

पति के साथ मोपेड पर मंदिर दर्शन के लिए जाते समय वाहन की चपेट में हुई थी घायल

ब्रेनडेड महिला के अंगदान से मेहसाणा के व्यक्ति को मिला लिवर, चार को अन्य अंग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

सूरत, गोलबाड नवापुरा निवासी महिला मोपेड पर जाते समय अज्ञात वाहन की चपेट में घायल होने के बाद चिकित्सकों ने उसे ब्रेनडेड घोषित किया। जिसके बाद परिवार ने अंगदान का निर्णय किया। जिससे पांच जनों को नया जीवन मिला है। इसमें लिवर मेहसाणा के व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया है।

शहर के गोलबाड रावलिया का टेकरा तिरंगा अपार्टमेंट निवासी अनिल कुमार राणा और पत्नी मिनाक्षी (41) नौ नवंबर को मोपेड पर महुआ विघ्नेश्वर दादा के मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। सूरत-



बारडोली हाइवे हेलो-फेश नामक दुकान के आगे सुबह माझे नौ बजे अज्ञात वाहन ने उनको टक्कर मार दी। मिनाक्षी को सिर में गंभीर चोट आई। उसे बारडोली सरदार स्मारक

अस्पताल और बाद में सूरत के आइएनएस अस्पताल में भर्ती किया गया। 10 नवंबर को चिकित्सकों ने उसे ब्रेनडेड घोषित किया। अस्पताल से सूचना मिलने पर डॉनेट लाइफ

प्रमुख निलेश मांडलेवाला पहुंच गए और परिवार को अंगदान के बारे में समझाया। सहमति मिलने पर उन्होंने स्टेट ऑर्गन एंड ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (एसओटीटीओ) कन्वीनर से सम्पर्क कर किडनी व लीवर दान के बारे में बताया। एसओटीटीओ द्वारा लिवर अहमदाबाद के जायडस अस्पताल को दिया गया। जबकि दोनों किडनी एचएलए मैचिंग के बाद एसओटीटीओ द्वारा दिया जाएगा। सूरत से किडनी व लिवर अहमदाबाद पहुंचाने के लिए ग्रीन कारिंडोर बनाया गया था। चक्षुओं का दान लोकदृष्टि चक्षुबैंक के डॉ. प्रफुल शिरोया ने स्वीकार किया।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



सङ्क दुर्घटना में ब्रेनडे कोषित की गई महिला के परिवार ने किया किडनी, लीवर और आँखों का दान

सूरत | शहर कई बातों के लिए जाना जाता है। अपनी साड़ियों और हीरों के लिए दुनिया भर में लोकप्रिय सूरत बीते कुछ समय से एक और बड़े काम में बहुत आगे रहा है। दरअसल इन दिनों सूरत के लोग अंगदान करने के लिए आगे आ रहे हैं। अंगदान में अग्रणी सूरत से एक और अंगदान किया गया है। जानकरी के अनुसार बारडोली हाईवे पर मोपेड से गिरने के कारण एक महिला को ब्रेनडे कोषित कर दिया गया।

ब्रेन डे कोषित की गई राणा समाज की मीनाक्षीबेन अनिलकुमार राणा के परिवार ने महिला की मौत के बाद में उनकी किडनी, लीवर और आंखें दान कर दीं। ताकि अंग दर्द से ग्रसित पांच लोगों को पुनर्जीवन मिल सके।

आपको बता दें कि गोलवड निवासी अनिल कुमार मंगलवार ९ नवंबर को अपनी पत्नी मीनाक्षीबेन के साथ मोपेड से महुवा स्थित विघ्नेश्वर दादा के मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे। सूरत बारडोली हाईवे पर बारडोली के पर सुबह करीब साढ़े नौ बजे अज्ञात चालक



के साथ हुए हादसे में मीनाक्षीबेन मोपेड से गिर गई और सिर में गंभीर चोट लगने से बेहोश हो गई। इसके बाद उन्हें तुरंत बारडोली के सरदार स्मारक अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहाँ सीटी स्कैन के बाद उन्हें ब्रेन हैमरेज का पता चला। वहां प्राथमिक उपचार देने के बाद परिजन उसे आगे के इलाज के लिए सूरत के आईएनएस अस्पताल ले गए। इलाज के दौरान बुधवार को आईएनएस अस्पताल के डॉक्टरों ने मीनाक्षीबेन को ब्रेन डे कोषित कर दिया।

पत्नी मीनाक्षीबेन के ब्रेनडे कोषित किये जाने पर पति अनिल कुमार ने अंग दान करने का निश्चय किया जिससे खराब अंग वाले रोगियों को फिर से जीवन मिल

सके। मृतक मीनाक्षीबेन और अनिल कुमार को एक 15 साल की बेटी और 13 साल का बेटा हैं।

आपको बता दें कि सोटो (SOTTO) द्वारा अहमदाबाद के जाइडस अस्पताल को मीनाक्षीबेन का लीवर दान किया गया। जबकि एचएलए मिलान के बाद दोनों किडनी आवंटित की जाएगी। मीनाक्षी बहन के लीवर अहमदाबाद के जाइडस अस्पताल में भर्ती और मेहसाणा निवासी एक 41 वर्षीय व्यक्ति को प्रत्यारोपित किया गया है। दान की गई दोनों किडनी को एचएलए मिलान के बाद स्हज़ज़ह द्वारा आवंटित अस्पताल में दो जरूरतमंद मरीजों को ट्रांसप्लांट किया जाएगा। गौरतलब है कि सङ्क मार्ग से अहमदाबाद तक किडनी और लीवर की समय पर डिलीवरी के लिए सूरत के आईएनएस अस्पताल से अहमदाबाद के जाइडस अस्पताल तक ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण किया गया था। जिसमें सूरत शहर पुलिस के साथ-साथ राज्य के विभिन्न शहर और ग्रामीण पुलिस का सहयोग मिला।



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

अंगदान: सड़क दुर्घटना में ब्रेनडे की गई महिला के परिवार ने किया किडनी, लीवर और आँखों का दान



दुर्घटना में ब्रेनडे हुई महिला के अंगदान से पांच लोगों को मिलेगा नया जीवनदान

लोकतंत्र संवाददाता

सूरत। सूरत शहर कई चालों के लिए जाना जाता है। अपनी साइरिंग और होरों के लिए तुनिया भर में लोकप्रिय सूरत चौते कुछ समय से एक और बड़े काम में बहुत आगे रहा है। दरअसल इन दिनों सूरत के लोग अंगदान करने के लिए आगे आ रहे हैं। अंगदान में अप्रापी सूरत से एक और अंगदान किया गया है। जानकारी के अनुसार बारडोली टाउन पर भोपेड से गिरने के कारण एक महिला को ब्रेनडे पोषित कर दिया गया। ब्रेन डेड पोषित की गई राणा समाज की मीनाक्षीबेन अपिलकुमार राणा के परिवार ने महिला की मौत के बाद में उनकी किडनी, लीवर और आँखें दान कर दीं। ताकि अंग दान से युक्ति पांच लोगों को पुनर्जीवन मिल

सके।

आपको बता दें कि गोलघाड निवासी अपिल कुमार मांगलकर 9 नवंबर की अपनी पक्की मीनाक्षीबेन के साथ भोपेड से महात्र भित्ति विनेश्वर दादा के मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे। सूरत बारडोली टाउन पर बारडोली के पर मुबह करोंच माझे नी बजे अज्ञत चालक के साथ हुए हाटमें मीनाक्षीबेन भोपेड से गिर गई और यिस में गंधीर चोट लगने से बेहोश हो गई।

इसके बाद उन्हें तुरंत बारडोली के स्पायर स्पारक अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहाँ सोटी स्कैन के बाद उन्हें ब्रेन हीमोरेज का पता चला। वहाँ प्राथमिक उपचार देने के बाद परिजन उमे आगे के इलाज के लिए सूरत के आईएनएस अस्पताल से गए। इलाज के दौरान चुपचार का आईएनएस अस्पताल के डॉक्टरों ने मीनाक्षीबेन को ब्रेन डेड पोषित कर दिया।

पक्की मीनाक्षीबेन के ब्रेनडे पोषित किये जाने पर पहिं अपिल कुमार ने अंग दान करने का निश्चय किया जिससे खुशां अंग वाले सेगियों को फिर से जीवन मिला।

मिल सके। मृतक मीनाक्षीबेन और अपिल कुमार को एक 15 साल की बेटी और 13 साल का बेटा हैं।

आपको बता दें कि सोटी (सहजात्म) द्वारा अहमदाबाद के जाइडम अस्पताल की मीनाक्षीबेन का लीवर दान किया गया। जबकि एचएलए मिलान के बाद दोनों किडनी आर्टिट की जाएंगी। मीनाक्षी बहन के लीवर अहमदाबाद के जाइडम अस्पताल में भर्ती और मेहसूण निवासी एक 41 वर्षीय व्यक्ति को प्रत्यरोधित किया गया है। दान की गई दोनों किडनी को एचएलए मिलान के बाद सहजात्म द्वारा आर्टिट अस्पताल में दो जलसंतरण भरीदों को ट्रांसफ्लाई किया जाएगा।

गीरानाथ हैं कि सड़क मार्ग से अहमदाबाद तक किडनी और लीवर को समय पर डिलीवरी के लिए सूरत के आईएनएस अस्पताल से अहमदाबाद के जाइडम अस्पताल तक धीन कारिंडोर का विमान किया गया था। जिसमें सूरत शहर पुलिस के साथ-साथ राज्य के विभिन्न शहर और ग्रामों पुलिस का सहवाग मिला।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



राणा समाज की ब्रेनडेड मीनाक्षी का लीवर मेहसाणा के 41 वर्षीय व्यक्ति को ट्रांसप्लांट किया गया

ब्रेनडेड महिला की किडनी, लीवर व आंखें परिजनों ने दान की

सिटी रिपोर्टर | सूत

गोलवाड निवासी राणा समाज की 41 वर्षीय ब्रेनडेड मीनाक्षीबेन राणा के अंग उनके परिजनों ने दान कर दिए। परिवार ने मीनाक्षीबेन की किडनी, लीवर और आंखें दान कर दीं। उनका लीवर ग्रीन कॉरिडोर कर अहमदाबाद के जायडस अस्पताल पहुंचाया गया। जहां मेहसाणा निवासी 41 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया। उनकी किडनी दो जरूरतमंद रोगियों में ट्रांसप्लांट की जाएगी। उनके अंगों के दान से जरूरतमंद पांच लोगों को नया जीवन और रोशनी मिली है।

गोलवाड के रावलिया टेकरा स्थित तिरंगा अपार्टमेंट निवासी अनिल कुमार 9 नवंबर को पली मीनाक्षीबेन के साथ मोपेड से महुवा स्थित विघ्नेश्वर दादा के मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे। जब वह सूरत बारडोली हाइवे से गुजर रहे थे, तभी बारडोली के पास मोपेड एक अज्ञात वाहन से टकरा गई। इससे मीनाक्षीबेन मोपेड से नीचे गिर गई और सिर में गंभीर चोट लगने से बेहोश हो गई।

हादसे में हो गई थीं बेहोश, जांच में ब्रेन हेमरेज का पता चला

उन्हें तत्काल बारडोली के सरदार स्मारक अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीटी स्कैन कराने

पर ब्रेन हेमरेज होने का पता चला। प्राथमिक उपचार के बाद अधिक उपचार के लिए सूत

की एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉ. मनोज सत्यवानी ने इलाज शुरू किया और 10 नवंबर को अस्पताल के डॉक्टरों ने मीनाक्षीबेन को ब्रेनडेड घोषित कर दिया।

जानकारी होने पर डोनेट लाइफ की टीम अस्पताल पहुंची और ब्रेनडेड की प्रक्रिया समझाई। ब्रेनडेड मीनाक्षीबेन के पति अनिल ने अंगदान के लिए सहमति दे दी। उनके परिवार में 15 साल की बेटी और 13 साल का बेटा है। बेटी अस्मिता कक्षा-10वीं में पढ़ती और बेटा कृष्णा 8वीं में पढ़ता है।



"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન કરી પાંચને નવજીવન આપાયું

અક્ષમાતથી બ્રેઇનડેડ જાહેર થયેલા મહિલાના અંગોનું દાન કરાયું

સુરત. અંગદાનમાં અગ્રેસર રહેલા સુરતમાંથી વધુ એક અંગદાન કરવામાં આવ્યું છે. બારડોલી હાઈ વે પર મોપેડ પરથી નીચે પડી જતાં બ્રેઇનડેડ જાહેર થયાં હતાં. બાદમાં રાણા સમાજના મીનાક્ષીબેન અનિલકુમાર રાણાના પરિવારે તેમના કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન કર્યું હતું. જેથી અંગોની પીડાતથી જીવતા પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું છે.

૩૦૧, તીરંગા એપાર્ટમેન્ટ, રાવલીયાનો ટેકરો, નવાપુરા, ગોલવાડ, મુકામે રહેતા અને જરીના વ્યવસાય સાથે સંકળાયેલા અનિલકુમાર મંગળવાર, તા.૮ નવેમ્બરના રોજ તેમની પલી મીનાક્ષીબેન સાથે મોપેડ ઉપર મહુવા ખાતે આવેલ વિઘેશ્વર દાદાના મંદિરે દર્શન કરવા માટે જઈ રહ્યા



હતા. ત્યારે સુરત બારડોલી હાઈવે પર, બારડોલી પાસે આવેલ હેલો-કેશ નામની દુકાનની સામે સવારે આશરે ૮.૩૦ કલાકે એક અજ્ઞાન્યા વાહન ચાલક સાથે અક્ષમાત થતા મીનાક્ષીબેન મોપેડ પરથી નીચે પડી જતા તેમને માથામાં ગંભીર ઈજાઓ થવાથી બેભાન થઈ ગયા હતા. તાત્કાલિક તેમને બારડોલીમાં આવેલ સરદાર

સ્મારક હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી નિદાન માટે સીટી સેન કરાવતા બ્રેઇન હેમરેજ હોવાનું નિદાન થયું હતું. ત્યાં ગ્રાથમિક સારવાર આચ્યા બાદ વધુ સારવાર માટે પરિવારજનોએ તેમને સુરતની આઈએનએસ હોસ્પિટલમાં ન્યુરોક્લીઝિયન ડૉ. મનોજ સત્યવાણીની સારવાર હેઠળ દાખલ કરી સારવાર શરૂ કરવામાં આવી હતી.



અક્ષમાતમાં બ્રેઇનડેડ થયેલી સુરતના રાણા પરિવારની મહિલાનાં અંગોના દાનથી પાંચને નવજીવન સાંપડ્યું!

સુરત, તા. ૧૧ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું છે. સંકળાયેલા અનિલકુમાર મંગળાં, મીનાક્ષીબેન સાથે મોપેડ ઉપર મહુવા ખાતે આવેલ વિક્રિશ્યાર દાદાના મંદિરે દર્શન કરવા માટે જઈ રહ્યા હતા. ત્યારે સુરત બારડોલી લાઈબ પર, બારડોલી પાસે આવેલ હેલો-કેશ નામની દુકાનની સામે સવારે આશરે ૯.૩૦ કલાકે એક

અંગદાનમાં અંગેસર રહેલા અંગદાન કરવામાં આવ્યું છે. બારડોલી લાઈબ વેપર મોપેડ પરથી નીચે પડી જતાં બ્રેઇનડેડ જાહેર થયાં હતાં. બાદમાં રાણા સમાજના મીનાક્ષીબેન અનિલકુમાર રાણાના પરિવારે તેમના કિડની,



301, તિરંગા એપાર્ટમેન્ટ, તા. ૭ નવેમ્બરના રોજ તેમની પત્ની

મીનાક્ષીબેન સાથે મોપેડ ઉપર મહુવા ખાતે આવેલ વિક્રિશ્યાર દાદાના મંદિરે દર્શન કરવા માટે જઈ રહ્યા હતા. ત્યારે સુરત બારડોલી લાઈબ પર, બારડોલી પાસે આવેલ હેલો-કેશ નામની દુકાનની સામે સવારે આશરે ૯.૩૦ કલાકે એક લિવર અને ચબુઓનું દાન કર્યું હતું. ચાવલીયાનો ટેકરો, નવાપુરા, ગોલવાડ, અજાયા વાહન ચાલક સાથે અક્ષમાત જેથી અંગોની પીડાતથી જીવતા પાંચ ખાતે રહેતા અને જરીના વ્યવસાય સાથે

• અનુસંધાન પાના ૫ ઉપર

ગોલવાડનાં મીનાક્ષી રાણાને પતિ સાથે મહુવા જતી વખતે અક્ષમાત નડ્યો હતો; બ્રેઇનડેડ જાહેર કરાતાં પરિવારે કિડની, લીવર અને આંખોનું દાન કર્યું

અક્ષમાતમાં બ્રેઇનડેડ...

બતા મીનાક્ષીબેન મોપેડ પરથી નીચે પડી જતા તેમને માથામાં ગંભીર ઈજાઓ ઘણાયું કે મારી પત્ની બ્રેઇનડેડ છે, અને ચંદ્રાયનમાં ઘવાથી બેભાન થઈ ગયા હતા.

તેમને તાત્કાલિક બારડોલીમાં બળીને રાખ જ થઈ જવાનું છે. ત્યારે સરદાર સ્મારક હોસ્પિટલમાં મારી પત્નીના છેટલા પણ અંગોનું દાન દાખલ કરી નિદાન માટે CT સ્કેન થઈ શકતું હોય તે બધા જ અંગોનું દાન કરાવતા બ્રેઇન ડેમ્રેજ હોવાનું નિદાન થયું હતું. ત્યાં પ્રાથમિક સારવાર આપ્યા બાદ વધુ સારવાર માટે પરિવારજનોને તેમને સુરતની INS હોસ્પિટલમાં નવજીવન આપો. તેઓને પરિવારમાં 15 વર્ષિય પુત્રી અને 13 વર્ષિય પુત્ર છે. સુરત INS હોસ્પિટલથી અમદાવાદની ન્યૂરોફિઝિયન ડેં. મનોજ સત્યવાળીની તેમની પુત્રી અસ્મિતા ધોરણ 10 માં, જાયંડસ હોસ્પિટલ સુધીના માર્ગનો શ્રીન અને પુત્ર કિષણ ધોરણ 8 માં અભ્યાસ કરે છે.

શરૂ કરવામાં આવી ભૂખવાર, તા. 10 નવેમ્બરના રોજ INS હોસ્પિટલના ડેક્ટરોને મીનાક્ષીબેનનો બ્રેઇનડેડ જાહેર કરતા ડેનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી મીનાક્ષીબેનના પરિવારજનોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી.

મીનાક્ષીબેનના પતિ અનિલકુમારે મહેસુલાણાના રહેવાસી 41 વર્ષિય મારી પત્નીને કરવામાં આવ્યું છે. દાનમાં વ્યક્તિમાં કરવામાં આવ્યું છે. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બંને કિડનીનું

તેનું મૃત્યુ નિશ્ચિત જ છે, ત્યારે શરીર તો મેળવવામાં આવેલી બંને કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ HLA મેચિંગ પણી SOTTO દ્વારા કણવેલ હોસ્પિટલમાં નવજીવન આપો. તેઓને પરિવારમાં રોડમાર્ગ અમદાવાદ પહોંચાડવા માટે નવજીવન આપો. તેઓને 13 વર્ષિય પુત્ર છે. સુરત INS હોસ્પિટલથી અમદાવાદની જાયંડસ હોસ્પિટલ સુધીના માર્ગનો શ્રીન અને પુત્ર કિષણ ધોરણ 8 માં અભ્યાસ કરીએ રૂપારાવામાં આવ્યો હતો જેમાં સુરત શહેર પોલીસ તેમજ રાજ્યના

SOTTO દ્વારા લિવર વિવિધ શહેર અને ગ્રામ્ય પોલીસનો અમદાવાદની જાયંડસ હોસ્પિટલને સહકાર સાંપડ્યો હતો.

કણવવામાં આવ્યું જ્યારે બંને કિડની HLA મેચિંગ પણી SOTTO દ્વારા કણવવામાં આવેલા દાનમાં મેળવવામાં આવેલા લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની જાયંડસ હોસ્પિટલમાં



ઓર્ગન ડોનર શહેર તરીકે ખ્યાતી પામી રહેલા સુરત શહેર માંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા વધુ એક અંગદાન કરાવવામાં આવ્યું

રાણા સમાજના બ્રેઇનડેડ મીનાક્ષીબેનના કિડની, લિવર અને ચક્કુઓનું દાન: પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન બક્ષ્યું

સુરત, તા. ૧૧

સુરત શહેર અંગદાનથી સમગ્ર ગુજરાતમાં ડેકો વગાડ્યો છે. ત્યારે રાણા સમાજના બ્રેઇનડેડ મીનાક્ષીબેનના પરિવારે તેમની કિડની, લિવર અને ચક્કુઓનું દાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન બક્ષ્યું હતું.

શહેરના જોલવાડ ખાતે રહેતા અનિલભાઈ રાણા તેમની પત્રી મીનાક્ષીબેન સાથે તા. ૮૮મી નવેમ્બરના રોજ સવારે મોપેડ ઉપર મહુવા ખાતે આવેલ વિઘ્નેચ્ચર દાદાના મંદિરે દર્શને જઈ રહ્યા હતા. ત્યારે બારડોલી હાઈવે પર એક અજ્ઞાત્યા વાહન ચાલક સાથે અકસ્માત થતા મીનાક્ષીબેન મોપેડ પરથી નીચે પડી જતા તેમને માથામાં ગંભીર ઠિજાઓ બચાવી બેભાન થઈ ગયા હતા. તાત્કાલિક તેમને બારડોલીમાં આવેલ સરહાર સ્મારક હોસ્પિટલમાં સારવાર માટે દાખલ કરવામાં આવ્યા હતા. વધુ સારવાર માટે સુરતની ખાનગી હોસ્પિટલમાં સારવાર માટે ખસેડાયા હતા. જ્યાં તા. ૧૦મીના રોજ તેમને બ્રેઇનડેડ ઝાહેર કરવામાં આવ્યા હતા.

ડેનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી મીનાક્ષીબેનના પરિવારજનોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી હતી. તેમના પરિવારે સંમતિ દર્શાવતા ઈં દ્વારા લિવર અમદાવાદની જાયડસ હોસ્પિટલને, બંને કિડની ઊંછ મેચિંગ પછી ઈં દ્વારા કાળવવામાં આવશે.



લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની જાયડસ હોસ્પિટલમાં મહેસાંબાના રહેવાસી ૪૧ વર્ષીય વ્યક્તિમાં કરવામાં આવ્યું હતું.

કિડની અને લિવર સમયસર રોડમાર્ગ અમદાવાદ પહોંચાડવા માટે સુરતે દ્રશ્ય હોસ્પિટલ થી અમદાવાદની જાયડસ હોસ્પિટલ સુધીના માર્ગનો ગ્રીન કોરીડોર બનાવવામાં આવ્યો હતો જેમાં સુરત શહેર પોલીસ તેમજ રાજ્યના વિવિધ શહેર અને ગ્રામ્ય પોલીસનો સહકાર સાંપર્યો હતો.

અંગદાન કરાવવાની સમગ્ર પ્રક્રિયા સ્ટેટ એડવાઈઝરી કમિટી કોર ઓર્ગન અને ટીસ્યુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટેશનના કમિટી મેખર અને ડોનેટ લાઈફના સ્થાપક-પ્રમુખ નિવેશ માંડલેવાલાના માર્ગદર્શન હેઠળ કરવામાં આવી હતી. બ્રેઇનડેડ મીનાક્ષીબેનના પરિવારમાં પતિ અનિલકુમાર, પુત્રી અસ્મિતા, પુત્ર કિલ્લા, ભાઈ ટેવેન્સ, નસંદોય સુરેશભાઈ, નરેશભાઈ, દિયર અશ્વિનભાઈએ પુરનો સહયોગ આપ્યો હતો.



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ઓર્ગન ડોનર શહેર તરીકે ખ્યાતી પામી રહેલા સુરત શહેર માંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા વધુ એક અંગદાન કરાવવામાં આવ્યું

રાણા સમાજના બ્રેઇનડેડ મીનાક્ષીબેન અનિલકુમાર રાણાના પરિવારે તેમના કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન બક્ષી, માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી.

સુરત- ૩૦૧, તીર્ણગાંધીપટ્ટણ, રાવલીયાનો ટેકરો, નવાપુરા, ગોલવાડ, મુકામે રહેતા અને જરીના વ્યવસાય સાથે સંકળાયેલા અનિલકુમાર મંગળવાર, તા. ૮ નવેમ્બરના રોજ તેમની પત્ની મીનાક્ષીબેન સાથે મોપેડ ઉપર મહુવા ખાતે આવેલ વિઘ્નેશ્વર દાદાના મંદિરે દર્શન કરવા માટે જઈ રહ્યા હતા ત્યારે સુરત બારડોલી હાઇવે પર, બારડોલી પાસે આવેલ હેલો-ફેશ નામની દુકાનની સામે સવારે આશરે ૮:૩૦ કલાકે એક અજાણ્યા વાહન ચાલક સાથે અકસ્માત થતા મીનાક્ષીબેન મોપેડ પરથી નીચે પડી જતા તેમને માથામાં ગંભીર ઈજાઓ થવાથી બેભાન થઈ ગયા હતા. તાકાલિક તેમને બારડોલીમાં આવેલ સરદાર સ્મારક હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી નિદાન માટે ઈજ રક્ન કરાવતા બ્રેઇન હેમરેજ હોપાનું નિદાન થયું. ત્યાં



પ્રાથમિક સારવાર આપ્યા મીનાક્ષીબેનના પતિ બાદ વધુ સારવાર માટે અનિલકુમારેજાયાંનું કે મારી પત્ની બ્રેઇનડેડ છે, અને તેનું મૃત્યુ નિશ્ચિત જ છે, ત્યારે શરીર તો બળીને રાખ જ થઈ જવાનું છે. ત્યારે મારી પત્નીના લેટલા પણ અંગોનું દાન થઈ શકતું હોય તે બધા જ અંગોનું દાન કરાવીને ઓર્ગન નિષ્કળતાના દર્દીઓને નવજીવન આપો. તેઓને પરિવારમાં ૧૫ વર્ષાં પુત્રી અને ૧૩ વર્ષાં પુત્ર છે. તેમની પુત્રી અસ્મિતા ધોરણ ૧૦ મી., અને પુત્ર કિશ્યા ધોરણ ૮ મી. અત્યાસ કરે છે.

" જીતે જી રત્નદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યદાન..."



મહુવા દર્શન કરવા જતાં બારડોલી હાઈવે પર અક્સમાત નડ્યો હતો

રાણા સમાજની બ્રેઇનડેડ મહિલાના અંગદાનથી પાંચને નવજીવન મળ્યું

| સુરત |

ઓર્ગન ડોનર સિટી તરીકે ખ્યાતી પામી રહેલા સુરત શહેરમાં અંગદાનની વધુ એક ઘટના બની છે. રાણા સમાજની નવાપુરા, ગોલવાડની બેઈન ડેડ મહિલાના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. બારડોલી હાઈવે પર નડેલા અક્સમાતની ઘટના બાદ હોસ્પિટલમાં બેઈન ડેડ ઘોષિત કરાયેલી મહિલાના પરિવારે અંગદાનનો નિર્ણય લઈ સમાજને ઉત્તમ દાખલો આપ્યો છે.

નવાપુરા, ગોલવાડ ખાતે તીરંગા એપાર્ટમેન્ટમાં રહેતા મીનાકીબેન અનિલકુમાર રાણા (ઉ.વ.૪૧) બે સંતાનના માતા હતા. જત મંગળવારે તેઓ પતિ અનિલકુમાર સાથે મોપેડ પર મહુવા ખાતેના વિઘ્નેશ્વર દાદાના મંદિરે દર્શન કરવા માટે જઈ રહ્યા હતા. ત્યારે સુરત બારડોલી હાઈવે પર તેમને અક્સમાત નડ્યો હતો. મોપેડ સવાર દંપતીને અજ્ઞાત્યા વાહન ચાલકે ટક્કર મારતા મીનાકીબેન નીચે પટકાયા હતા. જેમાં તેમને માચામાં ગંભીર ઈજાઓ બતા બેમાન થયા હતા. મીનાકીબેનને બારડોલીની હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી સીટીસ્કેન કરાવતા બેઈન દેમરેજ હોવાનું નિદાન થયું હતું. ત્યારબાદ મીનાકીબેનને વધુ



સારવાર માટે સુરત ખસેડાયા હતા. જ્યાં બુધવારે તેમને બેઈન ડેડ ઘોષિત કરાયા હતા. ડોનેટ લાઈફની ટીમે મીનાકીબેનના પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજીવતા તેઓ અંગદાન કરવા સહમત થયા હતા. ડોનેટ લાઈફ જ્યાંથી હતું કે, દાનમાં મળેલા લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં મહેસૂસાણા ૪૧ વર્ષીય વ્યક્તિમાં કરાયું છે. જ્યારે બંને કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ HLA મેચિંગ પછી SOTTO દ્વારા કણવેલી હોસ્પીટલમાં બે જરૂરીપાતમંદ દર્દીમાં કરવામાં આવશે. બંને ચચુનું દાન લાક્ડરસ્ટી ચક્કાબેંકના ડૉ. પંકુલ શિરોયાએ સ્થિકાયું હતું.



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ભારકર વિરોધ | રાણા પરિવારની સમંતિથી 2 કિડની, લિવર અને ચક્કુઓનું દાન કરાશે અકસ્માતમાં બ્રેઇનડોડ થયેલી ગોલવાડની મહિલાના કિડની, લિવર તથા ચક્કુઓનું દાન કરી 5 વ્યક્તિને નવજીવન અપાયું

કેલ્પાલિંગન્સ: સુરત

આરાધેલી હાઈને પર અકસ્માત ભાઈ બ્રેઇનડોડ થયેલી નવપુરા ગોલવાડની મહિલાના



મિનાક્ષીબેન

અંગોનું દાન કરી રહ્યા પરિવારે 5 વ્યક્તિને નવું છુદન આપ્યું છે.

તેમના લિવરનું મહેસૂસાના યુવાનમાં કરાયું છે જ્યારે બને કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ 2 જરૂરીયાત મંદ દર્દીમાં કરાશે.

નવપુરા ગોલવાડમાં રહેતા અનિલકુમાર રાણા જરીના વ્યવસાય બેનને બ્રેઇનડોડ જાહેર કરવામાં

સાથે સંક્ષિપ્તેલા છે. 9 નવેમ્બરના રોજ તેઓ તેમની ફાળી મિનાક્ષીબેન સાથે મોએપ પર મહૂલા ખાતે વિનેશ્વર દાદાના મહિદે દર્શન કરવા માટે જઈ રહ્યા હતા. ત્યારે ભારાધોલી હાઈને પર અકસ્માતમાં મિનાક્ષીબેનને માણસમાં ગંભીર છિંચ થતા બેભાન થયા હતા.

એથી તેમને તાત્કાલિક ભારાધોલીની સરદાર સ્નારક હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી સિલીસેન્સ દર્શાવતા બેનલેન્દ્રેજ હોવાનું નિદાન થયું છતું. એથી તેમને વધુ સારવાર માટે સુરતની આઈનેનાંસ હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યો હતા.

નવપુરા ગોલવાડમાં રહેતા મિનાક્ષી બેનને બ્રેઇનડોડ જાહેર કરવામાં

આવ્યા હતા. તેઓ બ્રેઇનડોડ હોવાની માહિતી મળતાં જે દેનેટલાઈની ટીમ હોસ્પિટલ ખાતે પહોંચેલી હતી અને પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યું છતું. પરિવાર તરફથી અંગદાનની સમંતિ મળતાં સોટેને કિડની અને લિવરના દાન માટે જાપાચાવ્યું છતું. સોટો દારા લિવર અમદાવાદની જાપાચ હોસ્પિટલને જાપાચાવ્યું છતું. જ્યારે જાપાચાવ્યું છતું. જ્યારે ચક્કુઓનું દાન લૉકટાઈ હૃદાંબંક દ્વારા સ્ટોકાઈ છતું.

લિવર અને કિડની પહોંચાડવા માટે સુરત INDથી અમદાવાદ ગ્રાયડસ સુધી ગ્રીન કોરોડોર બનાવ્યો

અકસ્માત ભાઈ બેઠું કે થઈ ગયેલા મિનાક્ષીબેન રાણાના લિવર અને બને કિડનીઓ સમયસર હોઇ માર્ગ અમદાવાદ હોસ્પિટલ માટે સુરત આઈનેનાંસ હોસ્પિટલથી અમદાવાદની જાપાચ હોસ્પિટલ સુપીના માર્ગને ગ્રીન કોરોડોર બનાવવામાં આવ્યો હતો. જેમાં સુરત પાલીસ તેમજ રાજ્યાના વિવિધ સહેર અને જામ્ય પોલીસનો સહકાર મળ્યો હતો જેણી આ અંગો સમયસર અમદાવાદ સુપી પહોંચેલી રાક્યા હતા.

લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મહેસાણાના યુવકમાં કરાયું દાનમાં મેળવવામાં આવેલા લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની જાપાચ હોસ્પિટલમાં મહેસાણાના 41 વર્ષીય યુવાનનું કરવામાં આવ્યું છતું. જ્યારે બને કિડનીઓનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મેયેલેને મેવિંગ પણી સોટો દારા જાપાચવામાં આવેલી હોસ્પિટલમાં 2 જરૂરીયાતમંદ દર્દીઓમાં કરારો.

સુરતના 'બ્રેઇન ડોડ' મિનાક્ષીબેનના અંગદાનથી પાંચને નવજીવન મળ્યું



સુરત, તા. ૧૧: સુરતમાંથી વધુ એક અંગદાન કરવામાં આવ્યું છે. શહેરના નવપુરા ગોલવાડના ૩૦૧, તિરંગા એપાર્ટમેન્ટ, રાવલિયાના ટેક્ચર ખાતે રહેતા અને જરીનો વ્યવસાય કરતા અનિલકુમાર રાણા અને તેમના ફાળી મિનાક્ષીબેન રાણા પોતાના મોપેડ ઉપર સાવાર થઈને સુરત હિલ્સાના બારડોલી નણક આવેલા વિનેશ્વર દાદાના દર્શન કરવા મહૂલા જવા માટે ગતરોજ સવારે નીકળ્યા હતા. ભારડોલી હાઈ વે ઉપર એક અજ્ઞાયા વાહન ચાલક સાથે અકસ્માત થતા મિનાક્ષીબેન મોપેડ પરથી નીચે પડી જતા તેમને માણસમાં ગંભીર ઠિકાઓ થવાથી બેભાન થઈ ગયા હતા. તાત્કાલિક તેમને ભારડોલીમાં આવેલ સરદાર સ્નારક હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી નિદાન કરવાતા બ્રેઇન દેશરેજ

હોવાનું નિદાન થયું છતું. ત્યાં પ્રાયમિક સારવાર આવ્યા બાઈ વધુ સારવાર માટે પરિવારજનોએ તેમને સુરતની હોસ્પિટલમાં સારવાર હેઠળ દાખલ કરી સારવાર શરૂ કરવામાં આવી જ્યાં તથીઓએ મિનાક્ષીબેનને બ્રેઇનડોડ જાહેર કર્યો હતા.

દેનેટ લાઇફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાળાએ મિનાક્ષીબેનના પતિ અનિલકુમાર, બાઈ દેવન્દ, પરિવારના સુરેસાભાઈ તેમજ

અન્ય સત્યોને અંગદાનનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બે જરૂરીયાતમંદ મહાર અને તેની સમય દર્દીમાં કરવામાં આવશે.

પ્રક્રિયા સમજાવી હતી અને પરિવારજનો સહમત થયા હતા. મિનાક્ષીબેનના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવું છુદન મળ્યું. તેઓને પરિવારમાં ૧૫ વર્ષીય પુત્રી અને ૧૩ વર્ષીય પુત્ર છે.

તેમની પુત્રી અસ્મિતા ધોરણ ૧૦માં અને પુત્ર કિલ્લા ધોરણ ૮માં અભ્યાસ કરે છે. પરિવારજનો તરફથી અંગદાનની સંમતિ મળતા દાનમાં મેળવવામાં આવેલા લીવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદના રહેવાસી ૪૧ વર્ષીય વ્યક્તિમાં કરવામાં આવ્યું છે જ્યારે બને કિડનીઓનું

" જીતે જી રત્નદાન, બ્રેનડોડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યદાન..."



રાણા સમાજની ગોલવાડની મહિલાના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું

(પ્રતિનિધિ દારા)

સુરત, ગુરુવાર

સુરતના કોટ વિસ્તાર ગોલવાડ ખાતે રહેતા રાણા સમાજના બ્રેઇનડેડ મહિલાના પરિવારે તેમના કિડની, લિવર અને ચ્યક્સુઓનું દાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન બહીન માનવતાની મહેક ફેલાવી છે.

ગોલવાડના નવાપુર ખાતે રાવલીયાના ટેકરા પર આવેલા તીરંગા એપાર્ટમેન્ટમાં રહેતા અને જરીના વ્યવસાય સાથે સંકળાયેલા ૪૨ વર્ષીય અનિલકુમાર સુંદરલાલ રાણા તેમની પત્રી મીનાક્ષીબેન (૩.૧.૪૧) સાથે ગત તા. ૮ મીએ સવારે મોપેડ ઉપર મહુવા ખાતે આવેલ વિઘેશ્વર દાદાના મંદિરે દર્શન કરવા જવા નીકળ્યા હતા. તે સમયે બારડોલી હાઈવે પર કપડાની દુકાનની સામે સવારે એક અજ્ઞાયા વાહન ચાલકે મોપેડને ટક્કર મારી હતી. જેમાં મીનાક્ષીબેનને ગંભીર



ઈજા થતા તાત્કાલિક બારડોલીની સરદાર સ્મારક હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યા બાદ તેમનું સીટી સેન કરાવતા બ્રેઇન ડેમરેજ હોવાનું નિદાન થયું હતું. ત્યાથી વધુ સારવાર માટે પરિવારજનોઓ તેમને સુરતની ખાનગી

હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યા હતા. બુધેજાત્યાંના ડોક્ટરે મીનાક્ષીબેનને બ્રેઇનડેડ જાહેર કર્યું હતા. બાદમાં ત્યાંથી જાણ કરતા ડેનેટ લાઈફની ટીમ હોસ્પિટલ પહોંચી મીનાક્ષીબેનના પરિવારજનોને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું.

દાનમાં મળેલી બંને કિડની જરૂરિયાતમંદ વ્યક્તિઓમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવશે તથા લિવરનું અમદાવાદની ખાનગી હોસ્પિટલમાં મહેસાણાના રહેતા ૪૧ વર્ષીય વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું છે. જ્યારે ચ્યક્સુઓનું દાન લોક દ્વારા ચ્યક્સુ બેકે સ્વીકાર્યું હતું. મીનાક્ષીબેનને સંતાનમાં ૧૫ વર્ષીય પુત્રી અસ્મિતા બાલાજી ગલ્સ્ઝાઈસ્ક્રૂલમાં ધોરણ ૧૦ માં અને ૧૨ વર્ષીય પુત્ર કિશ્શા ગોપીપુરાની ટી.એન્ડ ટી.વી. શાળામાં ધોરણ ૮ માં અભ્યાસ કરે છે.

મીનાક્ષીબેન અનિલકુમાર રાણાની કિડની, લિવર અને ચ્યક્સુઓનું દાન: લિવર મહેસાણાના રહીશને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ થયું



રાણા સમાજના બ્રેઈનડેડ મીનાક્ષીબેનના કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન બક્ષું ઓર્ગન ડોનર શહેર તરીકે ઘ્યાતી પામી રહેલા સુરત શહેર માંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા વધુ એક અંગદાન કરાવવામાં આવ્યું

ધબકાર પ્રતિનિધિ,
સુરત, તા. ૧૧

સુરત શહેર અંગદાનકેને સમગ્ર ગુજરાતમાં ઉકે વગાડ્યો છે. ત્યારે રાણા સમાજના બ્રેઈનડેડ મીનાક્ષીબેનના પરિવારે તેમની કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન બક્ષું હતું.

શહેરના ગોલવાડ ખાતે રહેતા અનિલભાઈ રાણા તેમની પત્રી મીનાક્ષીબેન સાથે તા. ઈમી નવેભરના રોજ સવારે મોપેડ ઉપર મહુવા ખાતે આવેલ વિનોદી દાદાના મંદિરે દર્શને જઈ રહ્યા હતા ત્યારે બારડોલી હાઈવે પર એક અજાહ્યા વાહન ચાલક સાથે અકસ્માત થતા મીનાક્ષીબેન મોપેડ પરથી નીચે પડી જતા તેમને માથામાં ગંભીર ઈજાઓ થવાથી બેબાન થઈ ગયા હતા. તાત્કાલિક તેમને

બારડોલીમાં આવેલ સરદાર સ્મારક હોસ્પિટલમાં સારવાર માટે દાખલ કરવામાં આવ્યા હતા. વધુ સારવાર માટે સુરતની ખાનગી હોસ્પિટલમાં સારવાર માટે ખસેડાયા હતા. જ્યાં તા. ૧૦મીના રોજ તેમને બ્રેઈનડેડ જહેર કરવામાં આવ્યા હતા.

ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી મીનાક્ષીબેનના પરિવારજનોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી હતી. તેમના પરિવારે સંમતિ દર્શાવતા SOTTO દારા લિવર અમદાવાદની જાયડ્સ હોસ્પિટલને, બંને કિડની HLA મેચિંગ પછી SOTTO દારા ફાળવવામાં આવશે. લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની જાયડ્સ હોસ્પિટલમાં મહેસાણાના રહેવાસી ૪૧ વર્ષીય વ્યક્તિમાં કરવામાં આવ્યું હતું.

કિડની અને લિવર સમયસર રોડમાર્ગ અમદાવાદ પહોંચાડવા માટે સુરત હોસ્પિટલ થી અમદાવાદની જાયડ્સ હોસ્પિટલ સુધીના માર્ગનો શ્રીન કોરીડેર બનાવવામાં આવ્યો હતો જેમાં સુરત શહેર પોલીસ તેમજ રાજ્યના વિવિધ શહેર અને ગ્રામ્ય પોલીસનો સહકાર સાંપર્યો હતો.

અંગદાન કરાવવાની સમગ્ર પ્રક્રિયા સ્ટેપ એવાઈજરી કમિટી કોર ઓર્ગન અને ટીસ્યુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટેશનના કમિટી મેમ્બર અને ડોનેટ લાઈફના સ્થાપક-પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાના માર્ગદર્શન હેઠળ કરવામાં આવી હતી. બ્રેઈનડેડ મીનાક્ષીબેનના પરિવારમાં પતિ અનિલકુમાર, પુત્રી અલ્યુટા, પુત્ર કિશ્ચા, ભાઈ દેવેન્દ્ર, નાનાંદોય સુરેશભાઈ, નરેશભાઈ, દિવ્યર અનિભાઈએ પુરતો સહયોગ આપ્યો હતો.



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January, 2006 to 11th November, 2021

410

KIDNEY

174

LIVER

8

PANCREAS

37

HEART

22

LUNGS

314

CORNEA

**Total 965 Organs & Tissues donated which has given
New Life & Vision to 884 persons across Country & Globe.**

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."